>

Title: Need to introduce 'Sports' syllabus in Universities in Uttar Pradesh before prescribing it as a subject in B. Ed. Syllabus.

राजकुमारी रत्ना सिंह (प्रतापगढ़): मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एन.सी.टी.ई. जो अध्यापक प्रशिक्षण क्षेत्र में काम करती हैं, के द्वारा गत वÂ◌ाऩ बी.एड. परीक्षा के पाठ्यक्रम में स्पोर्टस् को एक गाईड लाइन्स के तहत शामिल किया गया है जबकि पूरे उत्तर प्रदेश में किसी विश्वविद्यालय में स्पोर्टस का पाठ्यक्रम नहीं है। इस गाईड लाइन्स को शामिल करने से पूर्व पहले तो इस संस्था को उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों से यह पता लगाना चाहिए कि ये विÂ◌ाय इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जा रहे हैं या नहीं। इस संबंध में मैं मानव संसाधन विकास मंत्री जी से कई बार मिली और इसकी जानकारी दी है परंतु खेद के साथ सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि इस संबंध में आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इससे उत्तर प्रदेश के रायबरेली, सुल्तानपुर, छत्रपति साहू जी नगर एवं प्रतापगढ़ के छात्रों को बी.एड. में प्रवेश गत दो सालों से नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण इन क्षेत्रों के छात्रों में आक्रोश है क्योंकि इस गाईड लाइन्स के तहत इस क्षेत्रों के छात्रों को बी.एड. में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है।

सरकार से अनुरोध है कि बी.एड. के इस पाठ्यक्रम में कुछ वÂ◌ा◌ॅ के लिए स्पोर्टस के पाठ्यक्रम को हटाया जाए और उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय में स्पोर्टस के पाठ्यक्रम को रखा जाए और जब इस पाठ्यक्रम से छात्र पास होकर निकले तब एन.सी.टी.ई. द्वारा बी.एड. के पाठ्यक्रम में स्पोर्टस का विÂ◌ाय रखा जाए।